राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 3 अंक 296

मूल्य ₹6.00, नई दिल्ली, शुक्रवार, 3 अप्रैल 2020

www.jagran.com

पृष्ठ 14

शिवराज बोले, सिर्फ मानवों के लिए होते हैं मानवाधिकार >> 5

कोरोना मीटर

(स्रोत : वर्ल्डोमीटर्स डॉट इंफो स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय)

	विश्व	अमेरिका	इटली	भारत	(27 मार्च)	दिल्ली
कुल केस	9,61,343	2,15,362	1,10,574	2331	719	293
मौतें	49,160	5,113	13,155	73	16	4
स्वस्थ हुए	2,03,153	8,878	16,847	174	43	8

भारत के प्रमुख राज्य

राज्य	केस	मौतें
महाराष्ट्र	416	13
तमिलनाडु	309	1
केरल	286	2
आंध्र प्रदेश	135	2
राजस्थान	133	2
उत्तर प्रदेश	121	2
कर्नाटक	110	3
तेलंगाना	107	0
अन्य	552	48

शाम 11:45 बजे तक

अन्य प्रमुख देश

देश	स्पेन	चीन	जर्मनी
केस	1,10,238	81,589	80,641
मौतें	10,003	3,318	962

नोट : कोरोना से प्रभावित लोगों के संदर्भ में आंकड़े उल्लिखित दो स्रोतों के अतिरिक्त जागरण न्यूज नेटवर्क के रूप में अन्य माध्यमों से भी लिए गए हैं। अत : तालिका तथा दैनिक जागरण के इस अंक में प्रकाशित सामग्री में आंकड़ों का अंतर संभव है।

निश्चिंत रहें, पूरी तरह सुरक्षित है आपका अखबार

आप सब इससे अवगत ही होंगे कि प्रख्यात डॉक्टर, वैज्ञानिक, स्वास्थ्य विशेषज्ञ आदि बार-बार यह कह रहे हैं कि अखबारों से कोरोना वायरस के संक्रमण फैलने का कोई खतरा नहीं है। आप पूरी तरह निश्चिंत होने के लिए इस क्यूआर कोड को स्कैन करके खुद देख सकते हैं कि आपका प्रिय दैनिक जागरण समाचार पत्र कितने सुरक्षित तरीके से छपकर आपके हाथों में पहुंचता है। सतर्कता और सजगता की यह प्रक्रिया हम हर दिन-हर क्षण अपनाते हैं, क्योंकि आपकी तरह हम भी कोरोना को परास्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस प्रतिबद्धता को और प्रबल करने के लिए यह आवश्यक है कि आप समाचारों के सबसे विश्वसनीय स्रोत से जुड़े रहें। आपकी तरह हमें भी यह भरोसा है कि हम यह जंग जीतेंगे।

हेल्पलाइन नंबर

कोरोना से जुड़ी सही जानकारी देने के लिए भारत सरकार और विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वाट्सएप हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। इन नंबरों को मोबाइल में सुरक्षित करके कोई भी प्रामाणिक सूचना पाई जा सकती है। कृपया नंबर दर्ज करके वाट्सएप पर सिर्फ नमस्कार का संदेश भेजें। तुरंत एक मेन्यू आएगा, जिसके अनुसार वांछित जानकारी ली जा सकती है।

who:+41 798931892

mygov : +9190131515515

लॉकडाउन में बोरियत से बचाएगी अनुशासित दिनचर्या ● पेज 5

कोरोना के संक्रमण के खतरे से एप करेगा सावधान ● पेज 6

10 लाख जरूरतमंदों की मदद करेंगे एक लाख स्वयंसेवक ● पेज 7

टेस्टिंग और क्वारंटाइन पर ध्यान दें राज्य, बनाएं नई रणनीति : मोदी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

पिछले दो दिनों में देश के अंदर बढ़े कोरोना संक्रमण के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी मुख्यमंत्रियों को फिर से अलर्ट किया है कि टेस्टिंग, आइसोलेशन और क्वारंटाइन पर पूरा ध्यान केंद्रित करें तथा कोरोना के लिए डेडिकेटेड अस्पताल तैयार करें।

शारीरिक दूरी बनाए रखने को लेकर प्रधानमंत्री की गंभीरता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि उन्होंने मुख्यमंत्रियों को यह ध्यान रखने के लिए कहा है कि किसानों से अनाज की खरीद और बैंकों में आने वाली वित्तीय मदद निकालने के लिए भीड़ इकट्ठी न हो। हर जिले में आपदा प्रबंधन के लिए भी टीम तैयार करने का सुझाव दिया। बाद में केंद्र सरकार की ओर से राज्यों को पत्र में साफ किया गया कि बैंकों में भीड़ न हो इसीलिए उनके खाते में पैसे भी अलग-अलग दिन दिए जाएंगे और पैसे निकालने का दिन भी अलग होगा।

गुरुवार को प्रधानमंत्री ने दूसरी बार सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये कोरोना पर चर्चा की। उन्होंने अपने शुरुआती संबोधन में ही मुख्यमंत्रियों को आगाह किया कि देश में संक्रमितों की संख्या तेजी से बढ़ी है। वैश्विक स्थिति पर चिंता जताते हुए

- प्रधानमंत्री ने राज्यों के मुख्यमंत्रियों से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये की चर्चा
- खातों में राहत राशि पहुंचने पर बैंकों में भीड़ जुटने पर सतर्क रहने का निर्देश

वीडियो कांफ्रेंसिंग से मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी। प्रेट्र

प्रधानमंत्री ने आगाह भी किया कि यह अटकल है कि कुछ देशों में कोरोना का प्रकोप दोहरा सकता है। ऐसे में भारत को बहुत सतर्क रहने की जरूरत है। इसी लिहाज से उन्होंने तैयारियों पर भी पूरा जोर दिया। पीएम ने मेडिकल सप्लाई चेन, दवाइयों के रॉ मैटेरियल आदि के आवागमन में किसी तरह का अवरोध नहीं होने पर जोर दिया। साथ ही डॉक्टरों, नर्सों आदि का प्रबंध किए जाने पर जोर दिया। इस क्रम में उन्होंने ऑनलाइन ट्रेनिंग देकर आयुष डॉक्टरों को भी जोड़ने की बात कही। इसी तरह पारा मेडिकल स्टाफ, एनसीसी कैडेट आदि को भी साथ लाने की बात कही। कोरोना टेस्टिंग और संख्या को लेकर अटकलों का बाजार गर्म रहता है। ऐसे में प्रधानमंत्री ने कहा कि टेस्टिंग के लिए अधिकृत लैब से ही डाटा लिया जाए ताकि समानता बनी रहेगी।

शनिवार से मिलेगी सहायता राशि पेज>>5

आज देशवासियों को वीडियो संदेश देंगे प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को देश से एक वीडियो मैसेज साझा करेंगे। वीडियो का विषय बताए बिना उन्होंने ट्वीट किया, 'सुबह नौ बजे देशवासियों से छोटा वीडियो मैसेज शेयर करूंगा।' कोरोना संकट को लेकर मोदी ने 19 और 24 मार्च को देश को संबोधित किया था। 19 मार्च को उन्होंने 22 मार्च के 'जनता कर्फ्यू' की अपील की थी और 24 मार्च को 21 दिन के देशव्यापी लॉकडाउन का एलान किया था।

960 विदेशी तब्लीगी काली सूची में, वीजा रद

कार्रवाई ▶ गृह मंत्रालय ने हमेशा के लिए बंद किए दरवाजे, विदेशी व आपदा प्रबंधन कानून के तहत भी होगा एक्शन

तब्लीगी गतिविधियों में शामिल होकर किया पर्यटक वीजा का उल्लंघन

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

नियमों और निर्देशों की धज्जियां उड़ाकर तब्लीगी जमात के कार्यक्रमों में शामिल होने और देश के विभिन्न हिस्सों में कोरोना संक्रमण फैलाने के दोषी 960 विदेशियों का वीजा रद कर दिया गया है। इसके साथ ही गृह मंत्रालय ने इन विदेशियों को काली सूची में शामिल करके उनके लिए देश के दरवाजे हमेशा के लिए बंद कर दिए हैं।

गृह मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पर्यटन वीजा पर भारत आने के बाद तब्लीगी गतिविधियों में शामिल होकर इन लोगों ने वीजा नियमों का उल्लंघन किया है। इस कारण उनका वीजा रद कर दिया गया है। साथ ही इन लोगों ने कोरोना संकट के दौरान बड़ी संख्या में एकजुट नहीं होने के निर्देशों का भी उल्लंघन किया है। इस कारण इन सभी के भविष्य में भारत में प्रवेश पर रोक लगाते हुए उन्हें काली सूची में डाल दिया गया है।

राज्य	नए मामले	तब्लीगी
असम	03	03
मणिपुर	01	01
आंध्र प्रदेश	38	38
दिल्ली	142	129
तमिलनाडु	75	74
केरल	21	02
कर्नाटक	14	10
हिमाचल प्रदेश	03	03

विदेशी तब्लीगियों पर कानूनी शिकंजा भी कस सकता है। गृह मंत्रालय ने दिल्ली समेत सभी राज्यों के पुलिस महानिदेशकों को विदेशी तब्लीगियों के खिलाफ विदेशी और आपदा प्रबंधन कानून के प्रावधानों के तहत कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। उन्हें गिरफ्तार भी किया जा सकता है।

9,000 तब्लीगी और उनसे जुड़े लोग आइसोलेशन में : स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, बुधवार को कैबिनेट सचिव के सख्त निर्देश के बाद पूरे देश में 9,000 तब्लीगियों और उनसे संबंधित लोगों की पहचान कर आइसोलेशन में रखा गया है। वहीं, देश में गुरुवार को 328 नए मामले सामने आए।

बढ़ सकती है कोरोना ग्रसित तब्लीगियों की संख्या : स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने कहा, तब्लीगियों का टेस्ट किया जा रहा है और उनमें कोरोना से ग्रसित होने वालों की संख्या बढ़ सकती है। अब तक तब्लीगी जमात से संबंधित तमिलनाडु में 173, राजस्थान में 11, अंडमान निकोबार में नौ, दिल्ली में 47, पुडुचेरी में दो, जम्मू-कश्मीर में 22, तेलंगाना में 33, आंध्र में 67 और असम में 16 लोग कोरोना से ग्रसित पाए गए हैं।

सार्वजनिक स्थलों पर नहीं पढ़ने दी जाए नमाज : योगी

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों के साथ बैठक में दो टूक कहा कि सार्वजनिक स्थल पर नमाज कतई न पढ़ने दी जाए। जो भी जमाती पुलिस या स्वास्थ्य कर्मियों के साथ असहयोग या बदसलूकी करें, उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। (पेज-5)

क्वारंटाइन वार्ड में बिना पैंट के घूम रहे जमाती, कर रहे अश्लील इशारे

जागरण संवाददाता, गाजियाबाद

निजामुद्दीन मरकज में हुई तब्लीगी जमात में शामिल गाजियाबाद के लोगों को जिला अस्पताल के आइसोलेशन वार्ड व क्वारंटाइन में रखा गया है, जहां इन पर मेडिकल स्टाफ के साथ अश्लीलता करने के आरोप लगे हैं। जिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. रविंद्र सिंह राणा ने नगर कोतवाल विष्णु कौशिक को पत्र लिखा कि जमाती बिना पैंट के वार्ड में घूमते हैं। ऐसी स्थिति में उनका इलाज संभव नहीं हो पा रहा है। नर्सों की मानें तो जमाती उनसे बीड़ी-सिगरेट की मांग कर रहे हैं। साथ ही अश्लील इशारे कर रहे हैं।

सीएमओ डॉ. एनके गुप्ता ने बताया कि गुरुवार शाम सात बजे तक तब्लीगी जमात में शामिल हुए गाजियाबाद के 177 लोगों का पता लगाया जा चुका है। इनमें से पांच दिल्ली में और एक बरेली में भर्ती हैं। पांच एमएमजी अस्पताल, छह संयुक्त जिला चिकित्सालय, सूर्या अस्पताल व आरकेजीआइटी में 35-35 और सुंदरदीप आयुर्वेदिक अस्पताल में 90 लोगों को क्वारंटाइन किया गया है।

सीएमएस डॉ. रविंद्र सिंह राणा ने बताया कि महिला नर्स जैसे ही वार्ड में जाती हैं तो जमाती कपड़े बदलना शुरू कर देते हैं। बिना पैंट के वार्ड में घूमते रहते हैं। गंदे गाने सुन रहे हैं और नर्सों और अन्य महिला कर्मचारियों को अश्लील इशारे कर रहे हैं। सैंपल लेने का भी विरोध कर रहे हैं। सीएमएस ने बताया कि उन्होंने एसपी क्राइम प्रकाश कुमार को सूचना दी थी। चौकी प्रभारी पहुंचे और आइसोलेशन वार्ड के स्टाफ को बताया कि दो सिपाही इमरजेंसी में हैं। यदि दोबारा अभद्रता की जाती है तो तुरंत सूचना दें। मगर दोनों सिपाही इमरजेंसी में अपना मोबाइल नंबर लिखवाकर चले गए।

दिल्ली दंगों की साजिश में जामिया का छात्र गिरफ्तार

नई दिल्ली : उत्तर-पूर्वी दिल्ली में 24-25 फरवरी को हुए दंगे के मामले में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने जामिया मिल्लिया इस्लामिया के छात्र को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए छात्र का नाम मीरान हैदर है। वह विश्वविद्यालय के शोध का छात्र है। राष्ट्रीय जनता दल की यूथ विंग का दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष हैदर पर आरोप है कि उसने दिल्ली दंगों की साजिश रची थी। मीरान के साथ आरोपित कई अन्य लोगों की भी गिरफ्तारी जल्द ही हो सकती है। यह भी संभव है कि दिल्ली दंगों की साजिश में जामिया विश्वविद्यालय के कुछ और छात्रों का नाम सामने आए। (पेज-2)

अमेरिका में कोरोना से एक दिन में 1000 लोगों की मौत

वाशिंगटन : अमेरिका में कोरोना वायरस का कहर जारी है। महामारी से एक दिन में लगभग एक हजार लोगों की मौत हो गई है। इसके साथ ही मरने वालों की संख्या पांच हजार के पार चली गई है। कोरोना संक्रमण के चलते हालात भयावह हो रहे हैं। लगभग 26,000 लोग एक दिन में इस वायरस की चपेट में आ गए, जिससे देश में संक्रमितों की संख्या दो लाख 15 हजार से अधिक हो गई है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्र के लोगों को आश्वासन दिया है कि कोविड-19 के खिलाफ उनका प्रशासन आर-पार की लड़ाई लड़ रहा है। (पेज-11)

सरोकार

कोरोना को बेकार करेगी विटामिन-डी की 'दीवार'

लखनऊ : दुनिया में कोरोना संक्रमण से हुई मौतों का प्रमुख कारण विटामिन-डी की कमी के रूप में भी सामने आया है। यह रिपोर्ट हमें भी सतर्क कर रही है, क्योंकि देश में भी बड़ी आबादी विटामिन-डी की कमी से जूझ रही है। (पेज-6)

जागरण विशेष

कोरोना से जंग : अब तो हर चेहरा बेगाना लगता है

गोरखपुर : जिनके आने पर कभी खुशियां दोगुनी हो जाती थीं, अब वही परिजन और मित्रगण बेगाने लगने लगे हैं। संवेदनाएं मौन हैं, बेबस हैं क्योंकि कोरोना को हराना भी तो है। जीत की खुशी साथ मनाएंगे। (पेज-12)

कोरोना के तीसरे फेज में पहुंचने की आशंका

नीलू रंजन, नई दिल्ली

▶ आइसीएमआर आज जारी करेगी नई गाइडलाइंस, हॉटस्पॉट पर बड़े पैमाने पर किया जा सकता है टेस्ट

भारत में कुछ इलाकों में कोरोना के कम्युनिटी ट्रांसमिशन यानी फेज तीन में पहुंचने की आशंका गहरा गई है। खासकर तब्लीगी जमात के लोगों के बड़े पैमाने पर देश के कई इलाकों में फैलने और कोरोना के नए मरीजों के सामने आने के बाद सरकार रोकथाम के लिए नई रणनीति अपनाने पर विचार कर रही है। इसके तहत कोरोना के मरीजों वाले हॉटस्पॉट में लोगों का बड़ी संख्या में टेस्ट शुरू किया जा सकता है। इसके लिए भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) शुक्रवार को नई गाइडलाइंस जारी करेगी।

नई रणनीति के तहत, कम्युनिटी ट्रांसमिशन की आशंका वाले क्षेत्रों में घर-घर जाकर लोगों से संपर्क किया जाएगा। इन इलाकों में कोरोना के लक्षण वाले लोगों की जांच के साथ-साथ बड़े पैमाने पर आम लोगों के सैंपल की भी जांच की सकती है। ताकि यह पता लगाया जा सके कि वहां कोरोना वायरस कितना फैला है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि नई परिस्थिति को देखते हुए कोरोना वायरस टेस्ट के दिशानिर्देशों को बदलने की तैयारी की जा रही है। आइसीएमआर के दिशानिर्देशों के मुताबिक अभी तक केवल कोरोना लक्षण उभरने पर ही मरीजों की जांच की अनुमति थी, लेकिन अब इसमें ढील दी जा सकती है। आइसीएमआर नए दिशानिर्देश तैयार करने में जुटी है जिसमें बताया जाएगा कि कौन-कौन से लोगों का कोरोना टेस्ट किया जा सकता है। आइसीएमआर के डॉक्टर रमन गंगाखेड़कर ने कहा कि शुक्रवार को नए दिशानिर्देश जारी कर दिए जाएंगे।

लॉकडाउन से मिलेगी मदद

अनजाने में लोगों तक कोरोना के वायरस पहुंचने के इस फेज को कम्युनिटी ट्रांसमिशन कहा जाता है। इसके बाद वायरस महामारी का रूप धारण कर लेता है। जैसा कि इटली, स्पेन, अमेरिका समेत दुनिया के कई देशों में हो चुका है। जिसके बाद इन देशों को मजबूरी में लॉकडाउन लागू करना पड़ा। वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारत के लिए अच्छी बात है कि कम्युनिटी ट्रांसमिशन फेज में पहुंचने के पहले ही यहां लॉकडाउन लागू कर दिया गया था। इससे कोरोना वायरस को हॉटस्पॉट वाले इलाके तक सीमित रखने में मदद मिलेगी, लेकिन आशंका बढ़ गई है।

अब तक की रणनीति सफल पेज>>3

पाकिस्तान में पर्ल की हत्या के दोषी की मौत की सजा कैद में बदली

कराची, प्रेट्र : पाकिस्तान के सिंघ प्रांत की हाई कोर्ट ने अमेरिकी पत्रकार डेनियल पर्ल की हत्या के मामले में अलकायदा के आतंकी अहमद उमर शेख की मौत की सजा गुरुवार को सात साल कैद में बदल दी। साथ ही तीन अन्य दोषियों फहद नसीम, सलमान साकिब और शेख आदिल को रिहा कर दिया। ज्ञात हो, 'द वाल स्ट्रीट जर्नल' के दक्षिण एशिया ब्यूरो प्रमुख पर्ल की 2002 में कराची से अगवा करने के बाद हत्या कर दी गई थी।

हाई कोर्ट के न्यायाधीश मुहम्मद करीम खान आगा की अगुआई वाली दो सदस्यीय पीठ ने आतंकवाद रोधी अदालत (एटीसी) द्वारा ब्रिटेन में जन्मे आतंकी अहमद उमर शेख को सुनाई गई मौत की सजा को पलट दिया। पीठ ने दोषियों की 18 साल पहले दाखिल की गई अपीलों पर यह फैसला सुनाया। साथ ही राज्य सरकार की उस याचिका को भी खारिज कर दिया, जिसमें तीनों सह आरोपितों की सजा की अवधि को उम्र कैद में बदलने की अपील की गई थी। रिपोर्ट के अनुसार, शेख की सात साल की जेल की सजा उसके जेल में बिताए गए समय से गिनी जाएगी। वह पिछले 18 साल से जेल में है। याचिकाकर्ताओं के वकीलों ने कोर्ट में दलीलें पेश करते हुए कहा, अभियोजन पक्ष उनके मुवक्किलों के खिलाफ मामला साबित करने में विफल रहा है। अधिकतर गवाह पुलिसकर्मी थे, जिनकी गवाही पर भरोसा नहीं किया जा सकता। मजिस्ट्रेट के समक्ष नसीम और आदिल के इकबालिया बयान दोषपूर्ण व स्वैच्छिक नहीं थे। नसीम से लैपटॉप की बरामदगी 11 फरवरी, 2002 दिखाई गई थी, जबकि कंप्यूटर विशेषज्ञ रोनाल्ड जोसेफ ने कहा था कि उन्हें जांच के लिए कंप्यूटर चार फरवरी को दिया गया था। दि एक्सप्रेस ट्रिब्यून के अनुसार, वर्ष 2014 में एटीसी ने सह आरोपित कारी हाशिम को सुबूतों के अभाव में बरी कर दिया था। उसी साल शेख ने कथित रूप से जेल में खुदकशी की कोशिश की थी।

मप्र में मेडिकल टीम पर हमला करने वाले सात गिरफ्तार

- उपद्रवियों पर रासुका और आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत कार्रवाई
- डंडे पड़ते ही मांगी माफी, वीडियो फुटेज के आधार पर 15 अन्य की शिनाख्त

स्वास्थ्यकर्मियों पर हमला करने वालों को हवालात में बंद करने से पूर्व हर्बल सैनिटाइजर से सैनिटाइज किया गया। श्याम कामले

नईदुनिया, इंदौर

मध्य प्रदेश में इंदौर के टाटपट्टी बाखल क्षेत्र में कोरोना संक्रमितों की जांच करने पहुंची स्वास्थ्यकर्मियों की टीम पर हमला करने वाले सात उपद्रवियों को पुलिस ने गुरुवार सुबह गिरफ्तार कर लिया। आरोपितों में एक हिस्ट्रीशीटर बदमाश है। आरोपितों की उनके क्षेत्र में ही जमकर पिटाई की गई। पुलिस ने हमले में शामिल 15 अन्य को वीडियो फुटेज के आधार पर चिह्नित कर लिया है। आरोपितों के खिलाफ आपदा प्रबंधन अधिनियम और रासुका के तहत भी कार्रवाई की जा रही है।

एडिशनल एसपी (पश्चिम) राजेश व्यास के मुताबिक, कोरोना संक्रमितों की जांच करने पहुंचे डॉक्टरों के दल पर बुधवार दोपहर भीड़ ने हमला कर दिया था। उन्हें दौड़ा-दौड़ाकर मारा और पथराव किया था। पुलिस ने एक महिला डॉक्टर की शिकायत पर अज्ञात हमलावरों के विरुद्ध केस दर्ज किया था। बुधवार देर रात वीडियो फुटेज के आधार पर कुछ लोगों की पहचान कर ली गई थी। इसके बाद गुरुवार सुबह करीब 10 बजे आरोपित मोहम्मद मुस्तफा, नौशाद अहमद कादरी, मोहम्मद गुलरेज, शाहरख खान, मुबारिक मोहम्मद, शोहेब उर्फ शोबी मोहम्मद मुख्तियार और मज्जू उर्फ मजीद अब्दुल गफूर सभी निवासी टाटपट्टी बाखल को गिरफ्तार कर लिया गया।

हमलावरों में हिस्ट्रीशीटर भी : सीएसपी (सिटी एसपी) डीके तिवारी के मुताबिक, आरोपितों में मज्जू हिस्ट्रीशीटर बदमाश है। उसके विरुद्ध 23 केस दर्ज हैं। एक अन्य आरोपित शोबी पर भी आपराधिक प्रकरण दर्ज है। पुलिस ने सभी की उसी स्थान पर पिटाई की, जहां पथराव किया था। आरोपितों ने कान पकड़े और माफी मांगने लगे। आइजी विवेक शर्मा ने आरोपितों पर बलवा, मारपीट व जानलेवा हमला सहित आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 की धारा 51 भी बढ़वा दी। आइजी के मुताबिक आपदा प्रबंधन अधिनियम विशेष केसों में लगाया जाता है। ऐसे अपराधियों को हमेशा के लिए चिह्नित कर लिया जाता है।

कलेक्टर बोले- बुरा व्यवहार बर्दाश्त नहीं : इंदौर के कलेक्टर मनीष सिंह ने कहा कि डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ 20-20 घंटे काम कर रहा है, ताकि लोगों की जान बचाई जा सके। ऐसे में उनके साथ बुरा व्यवहार किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। ये लोग लंबे समय तक जेल में रहेंगे।

संक्रमण पर आक्रमण

सीएसआइआर ने एक बड़ी निजी दवा कंपनी और सॉफ्टवेयर कंपनी के साथ छेड़ी मुहिम, नई दवाओं के विकसित होने की लंबी प्रक्रिया को देख उठाया गया कदम

मौजूदा दवाओं से ही वायरस को मात देने की तैयारी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

▶ दवा के उत्पादन की नई प्रक्रिया विकसित की जा रही, मलेरिया की दवा प्रभावी पाए जाने पर शोध को मिली रफ्तार

कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से निपटने के लिए भारतीय वैज्ञानिक भी जुट गए हैं। नई दवा विकसित होने तक वह मौजूदा दवाओं के जरिये ही इसे मात देने की तैयारी में हैं। हालांकि मेडिकल के क्षेत्र से जुड़ी यह सामान्य प्रक्रिया होती है, जिसमें किसी नई बीमारी के उभरने पर दूसरे रोगों में इस्तेमाल होने वाली दवाओं को उसके उपचार में इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन इसका फैसला बीमारी के लक्षण और प्रयोगशाला में उसके प्रभाव को देखने के बाद ही लिया जाता है।

वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआइआर) ने देश की एक बड़ी निजी दवा कंपनी और आइटी कंपनी की लाइफ साइंस विंग के साथ मिलकर इस दिशा में काम शुरू कर दिया है। जहां कोरोना वायरस से लड़ने के लिए इसी तरह की रणनीति अपनाई जा रही है। सीएसआइआर के मुताबिक कम समय में दवाओं के उत्पादन की यह नई प्रक्रिया विकसित की जा रही है। हालांकि इस काम में तेजी तब आयी, जब कोरोना के संक्रमण में मलेरिया की दवा को कुछ हद तक प्रभावी पाया गया है। ऐसे में वैज्ञानिक इसके आसपास या इससे मिलती-जुलती दूसरी दवाओं के प्रभावों को देखने में लगे हैं।

सीएसआइआर के मुताबिक कोरोना से लड़ने का यह उसका कोई अकेला प्रयास नहीं है, बल्कि वह इससे निपटने के लिए पांच सूत्रीय एजेंडे पर भी काम कर रहा है। इनमें बीमारी के खतरे और उसकी प्रकृति को समझने के लिए आणविक स्तर पर निगरानी, किफायती जांच किट बनाना, दवा को विकसित करना, अस्पतालों व निजी सुरक्षा उपकरणों का विकास और चिकित्सीय उपकरणों की आपूर्ति शामिल है। खास बात यह है कि कोरोना वायरस से लड़ने के लिए सीएसआइआर ने अपनी देश भर की 38 वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं को मैदान में उतार रखा है। जिन्हें तय एजेंडे के तहत अलग-अलग ग्रुप में इसकी जिम्मेदारी दी गई है। इसके साथ ही सीएसआइआर ने कोरोना को लेकर ज्यादा से ज्यादा शोध के लिए देश भर से प्रस्ताव भी आमंत्रित किए हैं।

अस्सी फीसद लोग मास्क पहने तो वायरस पर लग सकती है लगाम

नई दिल्ली : केंद्र के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के. विजय राघवन के कार्यालय का मानना है कि देश की 80 फीसद आबादी मास्क पहनने लगे तो कोरोना महामारी को थामा जा सकता है। सरकार की ओर से मास्क बनाने की एक नियमावली भी जारी की गई है जिसमे जिसमें घर के ही पुराने सूती कपड़े से मास्क बनाने की विधि भी बताई है। हालांकि वैश्विक महामारी बन चुके कोराना वायरस की रोकथाम में मास्क की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठते रहे हैं। (पेज-6)